खण्ड -- क

विषयनिष्ठ प्रश्न

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

1. *निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर दें । प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित है ।*

10 × 2 = 20

(क) पाँच ऋषिकाओं के नाम लिखें ।

(ख) 'मङ्गलम्' पाठ में सत्य की क्या विशेषता बतलाई गई है ?

(ग) महान् लोग संसाररूपी सागर को कैसे पार करते हैं ?

(घ) चन्द्रगुप्त मौर्य के काल में पाटलिपुत्र की रक्षा व्यवस्था कैसी थी ?

(ङ) किन-किन विदेशी यात्रियों ने अपने संस्मरण ग्रन्थ में पटना का वर्णन किया है ?

(च) पटना के मुख्य दर्शनीय स्थलों का नामोल्लेख करें ।

(छ) 'अलसकथा' पाठ में किसका वर्णन है ?

(ज) मंत्री वीरेश्वर की विशेषताओं का वर्णन करें ।

(झ) अलसशाला के कर्मचारियों ने आलसियों की परीक्षा क्यों और कैसे ली ?

(ञ) 'मधुराविजयम्' महाकाव्य का वर्ण्य-विषय क्या है ?

(ट) आत्मा के स्वरूप का वर्णन करें ।

(ट) विद्वान ब्रह्म को कैसे प्राप्त करते हैं ?

(ड) राजशेखर ने पटना का उल्लेख किस रूप में किया है ?

(ढ) प्राचीन संस्कृत ग्रन्थों में वर्जित पटना के विभिन्न नामों का उल्लेख करें ।

(ण) सिख सम्प्रदाय के लिए पटना क्यों महत्वपूर्ण है ?

(त) विजमलाम्बा किसकी रानी थी और उसने किस प्रकार के काव्य की रचना की थी ?

(थ) विजयाङ्का की विशेषताओं का वर्णन करें ।

(द) 'अलसकथा' पाठ में वर्णित छः दोष कौन-कौन है ? वर्णन करें ।

(ध) संस्कृत साहित्य के संवर्धन में पण्डिता क्षमाराव के योगदान का उल्लेख करें ।

(न) आधुनिक काल की किन्हीं तीन संस्कृत लेखिकाओं के नाम लिखें ।

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

2. *निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें । प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित है ।*

4 × 5 = 20

(क) 'अलसकथा' पाठ से क्या शिक्षा मिलती है ?

(ख) 'मङ्गलम्' पाठ का परिचय लिखें ।

(ग) 'पाटलिपुत्र-वैभवम्' पाठ के आधार पर पटना के वैभव का संक्षिप्त वर्णन करें ।

(घ) चारों आलसियों का संवाद अपने शब्दों में लिखें ।

(ङ) संस्कृत साहित्य के संवर्धन में विजयनगर राज्य के राजाओं के योगदान का वर्णन करें ।

(च) दो दिनों की छुट्टी के लिए प्रधानाध्यापक को एक आवेदन पत्र संस्कृत में लिखें ।

(छ) विद्यालय में आयोजित वार्षिकोत्सव का वर्णन करते हुए अपने मित्र को संस्कृत में एक पत्र लिखें ।

(ज) निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर सात वाक्यों में अनुच्छेद संस्कृत में लिखें :

(i) अस्माकं विद्यालयः

(ii) व्यायामः

(iii) पुस्तकालयः

(iv) रोटीकोत्सवः ।

10th sanskrit subjective

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित है। 10 x 2 = 20

(क) पाँच ऋषिकाओं के नाम लिखें ।

पाँच ऋषिकाओं के नाम हैं: लोपामुद्रा, अदिति, रोमशा, अपाला, और विश्ववारा.

(ख) 'मङ्गलम्' पाठ में सत्य की क्या विशेषता बतलाई गई है ?

'मंगलम्' पाठ में सत्य को 'सत्य का मुख सोने के आवरण से ढका हुआ' बताया गया है। इसका अर्थ है कि सत्य इतना महान है कि उसे सामान्य ज्ञान या सांसारिक इच्छाओं से ढंका हुआ माना गया है। पाठ में सत्य की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा गया है कि सत्य की ही विजय होती है, असत्य की नहीं, और सत्य से ही देवयान का मार्ग प्रशस्त होता है।

(ग) महान् लोग संसाररूपी सागर को कैसे पार करते हैं ?

महान लोग संसाररूपी सागर को ज्ञान और त्याग के माध्यम से पार करते हैं। वे अपने नाम और रूप (अहंकार) को त्यागकर, मृत्यु को पार करते हुए ब्रह्म को प्राप्त करते हैं. जिस प्रकार नदियाँ समुद्र में मिलकर अपने नाम और रूप खो देती हैं, उसी प्रकार महान पुरुष भी अपने अहंकार को त्यागकर परमात्मा में विलीन हो जाते हैं

(घ) चन्द्रगुप्त मौर्य के काल में पाटलिपुत्र की रक्षा व्यवस्था कैसी थी ?

चन्द्रगुप्त मौर्य के समय में पाटलिपुत्र की रक्षा व्यवस्था बहुत मजबूत और उत्कृष्ट थी। यह नगर चारों ओर से एक मजबूत दीवार से घिरा हुआ था, जिसमें 64 द्वार और 570 बुर्ज थे। इसके अतिरिक्त, नगर के चारों ओर एक चौड़ी और गहरी खाई भी थी, जो इसे बाहरी हमलों से बचाती थी। यूनानी राजदूत मेगास्थनीज ने भी अपनी यात्रा वृत्तांत में पाटलिपुत्र की इस मजबूत रक्षा व्यवस्था का उल्लेख किया है।

(ङ) किन-किन विदेशी यात्रियों ने अपने संस्मरण ग्रन्थों में पटना का वर्णन किया है ?

विदेशी यात्रियों, जैसे कि मेगास्थनीज, फाह्यान, ह्वेनसांग और इत्सिंग ने अपने संस्मरणों में पटना का वर्णन किया है.

(च) पटना के मुख्य दर्शनीय स्थलों का नामोल्लेख करें ।

पटना के कुछ मुख्य दर्शनीय स्थल हैं: पटना संग्रहालय, गोलघर, तख्त श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब, गांधी मैदान, कुम्हरार, और महावीर मंदिर.

(छ) 'अलसकथा' पाठ में किसका वर्णन है ?

'अलसकथा' पाठ में आलस्य के दुष्परिणामों और आलसी मनुष्यों के बारे में वर्णन किया गया है। इस पाठ में आलस्य को मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु बताया गया है, और यह भी दिखाया गया है कि आलसी लोग किस प्रकार दूसरों पर आश्रित रहते हैं.

(ज) मंत्री चोरेश्वर की विशेषताओं का वर्णन करें ।

मंत्री चोरेश्वर एक दयालु और संवेदनशील व्यक्ति थे, जो प्रतिदिन गरीबों को भरपेट भोजन कराते थे। वे धूर्त लोगों द्वारा अपनी दयालुता का लाभ उठाए जाने के बावजूद, गरीबों की मदद करने से पीछे नहीं हटते थे।

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित है। 4 x 5 = 20

(क) 'अलसकथा' पाठ से क्या शिक्षा मिलती है ?

उत्तर: 'अलसकथा' एक शिक्षाप्रद कथा है जो हमें आलस्य के दुष्परिणामों को समझाती है। इस पाठ में एक आलसी व्यक्ति की कहानी है, जो सारा समय केवल कल्पनाओं में ही बिता देता है और काम करने की बजाय केवल सोचता रहता है। वह मेहनत करने की बजाय सपनों में ही धनी बनने की योजना बनाता है।

लेकिन उसका सपना एक साधारण सी घटना से टूट जाता है और उसे कुछ भी प्राप्त नहीं होता। इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि: